No. of Printed Pages : 6

BPY-008

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP)
Term-End Examination
December, 2019

02795

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY
BPY-008 : MODERN WESTERN PHILOSOPHY

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all the **five** questions. All questions carry equal marks. Answers to questions no. **1** and **2** should be in about 400 words each.*

1. Do you agree with the view that the revival that happened in many aspects of human life during Renaissance had great significance for the Western thought ? Elaborate your position. *20*

OR

Explain Berkeley's rejection of abstract ideas. How does his idea 'esse est percipi' become the central point of his metaphysics ? Explain. *20*

2. Describe Cartesian understanding of the world. How does it explain the relation between mind and body ? *20*

OR

How would you explain Leibniz's doctrine of Monad and Pre-established harmony ? Do you agree with the claim of Leibniz that this world is the best of all possible worlds ? Discuss. *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 200 words each :

(a) How would you explain the Marxist method of 'Dialectical Materialism' ? *10*

(b) Write a detailed note on Kant's postulates of morality. *10*

(c) Explain the concepts of God and World in the philosophy of Spinoza. *10*

(d) Distinguish between the truths of reason and the truths of fact. *10*

4. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) Write a short note on logical positivism. 5

(b) What are the three stages of human reason's development according to Comte ? 5

(c) Does Hume agree on free will ? 5

(d) What do you understand by the spirit of criticism ? 5

(e) Describe Deconstructionism. 5

(f) Explain Enlightenment. 5

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Primary and Secondary Qualities 4

(b) Cogito Ergo Sum 4

(c) Parallelism 4

(d) Synthetic a Priori 4

(e) Objectivism 4

(f) Skepticism 4

(g) Organic Theory of Hegel 4

(h) Natura Naturans and Natura Naturata 4

बी.पी.वाई.-008

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2019

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र
बी.पी.वाई.-008 : आधुनिक पाश्चात्य दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न संख्या 1 और 2 के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में होने चाहिए ।*

---

1. क्या आप सहमत हैं कि पुनर्जागरण काल में मानव जीवन के विभिन्न पक्षों में होने वाले परिवर्तनों का पाश्चात्य चिन्तन के लिए अत्यन्त महत्त्व है ? अपनी स्थिति स्पष्ट कीजिए । *20*

अथवा

बर्कले के अमूर्त प्रत्ययों के खण्डन की व्याख्या कीजिए । उनका प्रत्यय 'दृश्यते इति वर्तते' कैसे उनकी तत्त्वमीमांसा का मुख्य बिन्दु बन गया है ? व्याख्या कीजिए । *20*

2. विश्व सम्बन्धी देकार्त की समझ का वर्णन कीजिए । वह मन-शरीर के मध्य सम्बन्ध की व्याख्या कैसे करते हैं ? 20

अथवा

आप लाइब्निट्स के चिदणु सिद्धान्त और पूर्व-स्थापित सामंजस्य सिद्धान्त की व्याख्या कैसे करेंगे ? क्या आप लाइब्निट्स के इस दावे से सहमत हैं कि वर्तमान जगत सर्वोत्तम सम्भव जगत है ? विवेचना कीजिए । 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) आप मार्क्स की 'द्वंद्वात्मक भौतिकवाद' पद्धति की व्याख्या कैसे करेंगे ? 10

(ख) कांट की नैतिकता की स्वंसिद्ध मान्यताओं पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए । 10

(ग) स्पिनोज़ा के दर्शन में विवेचित ईश्वर एवं जगत की अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए । 10

(घ) बौद्धिक सत्यों (truths of reason) और तथ्यात्मक सत्यों के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए । 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) तार्किक भाववाद पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । 5

(ख) कॉम्टे के अनुसार मानव तर्क बुद्धि के विकास की तीन अवस्थाएँ कौन-सी हैं ? 5

(ग) क्या ह्यूम संकल्प स्वतंत्रता को स्वीकार करते हैं ? 5

(घ) आलोचना की भाववृत्ति से आप क्या समझते हैं ? 5

(ङ) विखण्डनवाद का वर्णन कीजिए । 5

(च) प्रबोधन की व्याख्या कीजिए । 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) प्राथमिक एवं द्वितीयक गुण 4

(ख) कॉजिटो अर्गो सम (Cogito Ergo Sum) 4

(ग) समानान्तरवाद 4

(घ) संश्लेषणात्मक पूर्वानुभाविक निर्णय 4

(ङ) विषयनिष्ठतावाद 4

(च) संशयवाद 4

(छ) हेगेल का जैविक सिद्धान्त 4

(ज) प्रकृति रचयिता और कार्य-प्रकृति 4